Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing, 3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

DIGITAL ADDRESSABLE SYSTEMS (DAS)

Q: With OTT, DTH and connected TVs reshaping the television market, what is the future of Digital Addressable Systems (DAS) in India?

Dharmendra Adhikari, Kolkata

Ans.: DAS continues to have an important role, but its future cannot depend on linear television alone. India's cable operators need to transform their networks into broader digital delivery platforms by combining TV with broadband, OTT aggregation, IPTV and other connected services. The extensive last-mile infrastructure and strong local relationships of cable operators remain significant advantages, particularly in smaller cities and towns.

However, declining linear-TV consumption, pricing pressure, subscriber migration to OTT and the cost of network upgrades are major challenges. The next phase of DAS will therefore be about convergence rather than simply delivering television channels. Operators that invest in fibre, network capacity, customer experience and digital services can use their existing infrastructure to build diversified revenue streams. DAS can evolve from a traditional cable-TV distribution system into the foundation of an integrated broadband and entertainment platform, helping cable operators remain relevant in India's rapidly changing media landscape.■

डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम (डीएएस)

प्रश्नः ओटीटी, डीटीएच और कनेक्टेड टीवी के कारण टेलीविजन बाजार बदल रहा है, ऐसे में भारत में डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम (डीएएस) का भविष्य क्या है?

धर्मेंद्र अधिकारी, कोलकाता

उत्तरः डीएएस की भूमिका अभी भी अहम है, लेकिन इसका भविष्य सिर्फ लीनियर टेलीविजन पर निर्भर नहीं रह सकता है। भारत के केबल ऑपरेटरों को अपने नेटवर्क को ब्रॉडबैंड, ओटीटी एग्रीगेशन, आईपीटीवी और दूसरी कनेक्टेड सेवाओं के साथ जोड़कर बड़े डिजिटल डिलीवरी प्लेटफॉर्म में बदलना होगा। केबल ऑपरेटरों का फैला हुआ 'लास्ट माइल' इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय स्तर पर मजबूत संबंध उनके लिए बड़े फायदे हैं, खासकर छोटे शहरों और कस्बों में।

हालांकि, लीनियर टेलीविजन देखने वालों की घटती संख्या, कीमतों का दबाव, सब्सक्राइबर्स का ओटीटी पर जाना और नेटवर्क अपग्रेड की लागत बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए डीएएस का अगला चरण सिर्फ टेलीविजन चैनल दिखाने के बजाए कन्वर्जेंस (अलग-अलग सेवाओं को एकसाथ लाने) पर केंद्रित होगा। जो ऑपरेटर्स फाइबर, नेटवर्क क्षमता, उपभोक्ता अनुभव और डिजिटल सेवाओं में निवेश करते हैं, वे कमाई के नये और अलग-अलग जरिए बनाने के लिए अपने मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर सकते हैं। डीएएस पारंपरिक केबल टीवी वितरण सिस्टम से बदलकर एक इंटीग्रेटेड ब्रॉडबैंड और मनोरंजन प्लेटफॉर्म का आधार बन सकता है, जिससे केबल ऑपरेटर्स को भारत के तेजी से बदलते मीडिया माहौल में अपनी अहमियत बनाये रखने में मदद मिलेगी।■